Literacy for a Billion

Movie: Jagte Raho
Year: 1951

Song: Jago Mohan Pyare
Lyricist: Shailendra

जब उजियारा छाए
मन का अँधेरा जाए
किरनों की रानी गाए
जागो हे मेरे मन मोहन प्यारे

जाग रे जाग रे जाग
कलियाँ जागी
नगर नगर सब
गलियाँ जागी
जाग रे जाग रे जाग रे
जाग रे जाग रे जाग जाग

आ ...

जागो मोहन प्यारे जागो
जागो मोहन प्यारे जागो
नवयुग चूमे नैन तिहारे
जागो जागो मोहन प्यारे

जाग रे जाग रे जाग
कलियाँ जागी
नगर नगर सब
गलियाँ जागी
जाग रे जाग रे जाग रे
जाग रे जाग रे जाग जाग

आ ...

जिसने मन का दीप जलाया
दुनिया को उसने ही उजला पाया
आ ...
जिसने मन का दीप जलाया
दुनिया को उसने ही उजला पाया
मत रहना अँखियों के सहारे

जागो मोहन प्यारे जागो
जागो मोहन प्यारे जागो
नवयुग चूमे नैन तिहारे
जागो जागो मोहन प्यारे

जाग रे जाग रे जाग
कलियाँ जागी
नगर नगर सब
गलियाँ जागी
जाग रे जाग रे जाग रे
जाग रे जाग रे जाग जाग

आ ...

किरन परी गगरी छलकाए
ज्योत का प्यासा प्यास बुझाए
किरन परी गगरी छलकाए
ज्योत का प्यासा प्यास बुझाए
फूल बने मन के अँगारे

जागो मोहन प्यारे जागो
जागो मोहन प्यारे जागो
नवयुग चूमे नैन तिहारे

जागो जागो मोहन प्यारे

जाग रे जाग रे जाग

कलियाँ जागी
नगर नगर सब
गलियाँ

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.